Date
15/04/2021

डॉ॰ उमेश मल्लिक
इतिहास विभाग

अरब शासन व्यवस्था

(Arab Administration.)

शासन का स्वरूप :- (1)

सिन्ध पर अरबों का शासन मूलतः सैनिक शासन था। विजय के बाद सिन्ध कई प्रान्तों में बाँट दिया गया। प्रत्येक प्रान्त के लिए सैनिक पदाधिकारी की नियुक्ति की गई। सैनिक पदाधिकारी के अधीन कम से कम 4000 सैनिक रहते थे। प्रारम्भ में ~~आक्रमण~~ अरब आक्रमणकारियों ने तलवार के बल पर इस्लाम धर्म स्वीकार करने के लिए बल दिया और उन लोगों को मौत के घाट उतार डाला गया जो इस्लाम धर्म को स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं हुए। मन्दिर और मूर्तियों को नष्ट किया गया तथा सम्पति जब्त कर कइयों को दास बना लिया गया। जब सिन्ध की विजय हो गयी तो कठोरता से पेश आने की नीति छोड़नी पड़ी। हिन्दू अपने धर्म के प्रति प्रगाढ़ विश्वास रखते थे। हिन्दुओं

Scanned with CamScanner

पर अधिकार करने में छूट देकर आंशिक स्वतंत्रता की बात मुहम्मद बिन-कासिम ने स्वीकार कर ली।
अरबों ने सिन्ध को पहले प्रान्तों में बाँटा और प्रान्तों को जिला या इक्ता में विभाजित किया। प्रत्येक जिला एक अरब सैनिक अधिकारी के अन्दर था। सैनिकों को वेतन के बदले जागीर दी जाती थी। ग्राम शासन का स्वरूप पूर्ववत था तथा उसे हिन्दू अधिकारियों के हाथ में ही रखा गया था। प्राचीन सिद्धान्त एवं नियमों को पूर्ववत मान्यता दी गयी। अरबों ने केवल नगर-शासन में परिवर्तन किया था। फलतः सिन्ध में अनेक सैनिक उपनिवेशों की स्थापना हो गयी।

Sammit

डॉ॰ उमेश मलिक
इतिहास विभाग
G.D. College Purnidayal